कानपुर, बुधवार, 4 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 35, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड सीएम के स्नेह से बदली 'खुशी' की दुनिया...>Pg12

मजबूत होगी नौसेना की समुद्री ताकत...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

आधी रात को मौत का फैसला!

गाजियाबाद में 9वीं मंजिल से कूद कर तीन नाबालिग सगी बहनों ने की आत्महत्या

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। लोनी क्षेत्र स्थित भारत सिटी टाउनशिप की हाईराइज सोसाइटी में तीन सगी नाबालिग बहनों ने एक साथ 9वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरी सोसाइटी में चीख-पुकार और हड़कंप मच गया। तीनों बहनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में कोरियन कल्चर का लिंक सामने आ रहा है। हालांकि जांच कई पहलुओं पर की जा रही है।

यह सनसनीखेज मामला भारत सिटी के बी-1 टावर स्थित फ्लैट नंबर 907 का है। मृतक बहनों की उम्र क्रमशः 16, 14 और 12 वर्ष बताई गई है। पुलिस को सूचना रात 2ः18 बजे मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तीन बहनों ने किया सुसाइड

निशिका (16 साल) | प्राची (14 साल) | पाखी (12 साल)

गेम थ्योरी पर पुलिस का यू-टर्न

शुरुआत में दावा किया गया कि तीनों बहनें किसी ऑनलाइन 'कोरियन लव गेम' की लत में थीं, लेकिन पुलिस जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार 'कोरियन लव' नाम का कोई ऑनलाइन गेम अस्तित्व में ही नहीं है। इस खुलासे के बाद पूरा मामला और भी संदिग्ध हो गया है। पुलिस को फ्लैट से 8-10 पन्नों की एक डायरी बरामद हुई है, जिसमें तीनों बहनों ने लिखा है "मम्मी-पापा सॉरीज कोरियन हमारी जिंदगी, हमारी जान है।" डायरी से साफ संकेत मिल रहे हैं कि तीनों बच्चियां कोरियन कल्चर और लाइफस्टाइल से गहराई से प्रभावित थीं।

मोबाइल और डायरी बनी जांच की चाबी, कोरियन कल्चर एंगल पर पुलिस उलझी

मौत के पीछे छिपे खौफनाक सवाल

तीन बच्चियां, एक फैसला–संयोग या साजिश?
एक साथ छलांग क्या यह सामूहिक आत्महत्या थी या किसी मानसिक दबाव का चरम?

डायरी में एक जैसी भाषा–किसका असर?
8-10 पन्नों के सुसाइड नोट में शब्द, भाव और लाइनें लगभग समान–क्या कोई एक 'मास्टर माइंड' था?

गेम नहीं मिला, फिर नाम कहां से आया?
जब 'कोरियन लव' नाम का कोई गेम है ही नहीं, तो यह शब्द बच्चियों की जिंदगी में कैसे घुसा?

मोबाइल बना मौत का हथियार?
फोन में क्या देखा, क्या पढ़ा, किससे जुड़ीं–डिजिटल फॉरेंसिक जांच अब सबसे अहम कड़ी।

स्कूल से दूरी, समाज से कटाव
पढ़ाई छोड़ी, दुनिया मोबाइल तक सिमटी–क्या यहीं से टूटा मानसिक संतुलन?

परिवार बनाम जुनून की जंग
मोबाइल पर रोक, बढ़ता टकराव–क्या इसी टकराव ने मौत की छलांग तक पहुंचा दिया?

ऑनलाइन ग्रुप या अदृश्य उकसावा?
पुलिस को शक है कि कहीं बच्चियां किसी गुप्त डिजिटल कम्युनिटी के संपर्क में तो नहीं थीं?

मोबाइल, स्कूल से दूरी और पारिवारिक तनाव

जांच में सामने आया है कि कोरोनाकाल के बाद से तीनों बहनें नियमित रूप से स्कूल नहीं जा रही थीं। ज्यादातर समय मोबाइल फोन पर बिताती थीं। परिजन इस आदत से नाराज थे और मोबाइल इस्तेमाल को लेकर अक्सर टोकाटाकी होती थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं पारिवारिक दबाव, मानसिक तनाव या किसी बाहरी प्रभाव ने इस खौफनाक कदम को जन्म तो नहीं दिया।

सभी पहलुओं पर जांच की जा रही

एडिशनल पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) आलोक प्रियदर्शी ने कहा प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। एसपी अतुल कुमार सिंह के अनुसार, तीनों बच्चियों ने करीब 80 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।"

वाराणसी में एक लाख का इनामी बनारसी यादव एनकाउंटर में ढेर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी की सड़कों पर दहशत फैलाने वाले कुख्यात अपराधी बनारसी यादव का आखिरकार खात्मा हो गया। मंगलवार देर रात एसटीएफ और बदमाशों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी बनारसी यादव गोली लगने से ढेर हो गया। यह वही बदमाश था जिसने कॉलोनाइजर महेंद्र गौतम की दिनदहाड़े हत्या कर पूरे शहर को दहला दिया था।

गाजीपुर के करंडा थाना क्षेत्र का रहने वाला बनारसी यादव पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। हत्या, लूट, रंगदारी जैसे 21 संगीन मुकदमों में वांछित यह बदमाश लंबे समय से फरार चल रहा था। जांच में सामने आया था कि उसने महेंद्र गौतम की हत्या के लिए पांच लाख रुपये की सुपारी ली थी।

⇨ दो इंस्पेक्टरों की जैकेट पर लगी गोलियां, STF की जवाबी फायरिंग में कुख्यात बदमाश का सीना छलनी

सूचना मिली कि बनारसी यादव किसी नई वारदात की फिराक में बरियासनपुर से दयालपुर की ओर बढ़ रहा है। एसटीएफ ने अपर पुलिस अधीक्षक विनोद सिंह के नेतृत्व में इलाके की घेराबंदी कर दी। बाइक से आते दो संदिग्धों को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन पीछे बैठे बनारसी यादव ने अचानक दोनों हाथों से ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। मुठभेड़ के दौरान हालात इतने खतरनाक हो गए कि दो इंस्पेक्टरों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां आ लगीं। अगर जैकेट न होती, तो बड़ा नुकसान हो सकता था। जवाबी कार्रवाई में एसटीएफ की गोली बनारसी यादव के सीने में लगी। घायल बदमाश को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मौके से .30 और .32 बोर की दो पिस्टल, साथ ही भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं। बदमाश का एक साथी बाइक छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें ताबड़तोड़ दबिश दे रही हैं।

फैक्ट फाइल

- **ढेर बदमाशः** बनारसी यादव (1 लाख रुपए का इनामी)
- **केसः** 21 संगीन मुकदमे दर्ज
- **हत्याः** कॉलोनाइजर महेंद्र गौतम
- **सुपारीः** 5 लाख रुपए
- **फायरिंगः** .30 व .32 बोर पिस्टल
- **पुलिस बचीः** 2 इंस्पेक्टर (जैकेट पर लगी गोली)
- **बरामदगीः** 2 पिस्टल, कारतूस
- **दूसरा बदमाशः** फरार

होली, गंगा मेला के लिए तैयारियां शुरू

महापौर ने रंगों के ठेला मार्ग को लेकर नगर निगम समीक्षा बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में महापौर की अध्यक्षता में होलिका दहन, होली, गंगा मेला और हटिया से निकलने वाले रंगों के ठेला यात्रा मार्ग को लेकर नगर निगम एवं जलकल विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में होलिका दहन स्थलों पर व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। मुख्य अभियंता सिविल ने बताया कि शहर में पूर्व से निर्धारित 464 होलिका दहन स्थलों पर केवल मिट्टी डलवाई जाती है। मलबा या ईंट डालने से दुर्घटना की आशंका रहती है, इसलिए इसका प्रयोग नहीं किया जाता।

गंगा मेला को लेकर हटिया से निकलने वाले रंगों के ठेला यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया जा चुका है। यात्रा मार्ग पर जलकल विभाग की पाइपलाइन से जुड़े कार्य और पार्कों में सुंदरीकरण के अंतर्गत पत्थर लगाने का कार्य चल रहा है। सभी कार्य 20 फरवरी तक पूरे कर लिए जाएंगे।

भैरोघाट केस्को कार्यालय के पास तीन स्थानों पर तथा परमट से ग्रीन पार्क जाने वाले मार्ग पर गड्ढों के कारण लोगों के चोटिल होने की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सड़क को मोटरेबुल कराने के निर्देश दिए गए।

होली पर्व के दिन जलापूर्ति को लेकर निर्देश दिए गए कि जलापूर्ति का समय और प्रेशर दोनों बढ़ाए जाएं। साथ ही पंजीकृत मलिन बस्तियों के पास पानी के टैंकर लगाए जाएं।

गोविंद नगर कच्ची बस्ती में जलभराव की समस्या को देखते हुए अतिक्रमण हटाकर अतिरिक्त पंप लगाने और पानी की निकासी कराने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में अपर नगर आयुक्त, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, जलकल महाप्रबंधक, सभी जोनों के जोनल अधिकारी, अधिशासी अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ख्योरा में 20 वर्षीय युवक ने खुद को मारी गोली, संदिग्ध मौत से सनसनी

एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने कहा फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नवाबगंज थाना क्षेत्र के ख्योरा इलाके में बुधवार को 20 वर्षीय युवक द्वारा स्वयं को गोली मारकर जान देने की संदिग्ध घटना सामने आई है। युवक की मौत से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मृतक अभिषेक (20) दोपहर के समय घर पर अकेला था। करीब एक बजे जब उसका बड़ा भाई दीपक काम से घर लौटा तो उसने कमरे में अभिषेक को अचेत अवस्था में पड़ा पाया। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां

डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह, एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया, नवाबगंज थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे से जरूरी सामान, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के मुताबिक अभिषेक अपने बड़े भाई दीपक के साथ वेल्डिंग का काम करता था। पिता रामअवतार निषाद लोडर चालक हैं, जबकि मां पिछले कुछ समय से गांव में रह रही हैं। घटना के समय घर के अन्य सदस्य अपने-अपने काम पर गए हुए थे। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दोपहर के समय एक तेज आवाज सुनाई दी थी, हालांकि उस समय किसी को अनहोनी की आशंका नहीं हुई। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

» नेशनल हाईवे पर लगातार हो रहे हादसों ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर सवाल खड़े किए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव के पास नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुखरायां में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मृतक के पास मिले मोबाइल फोन के आधार पर उसकी शिनाख्त की। मृतक की पहचान हमीरपुर जनपद के कुरारा निवासी पवन (36 वर्ष) के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, मृतक के पिता सत्यनारायण ने बताया कि उनका पुत्र पवन दिल्ली से बाइक द्वारा घर लौट रहा था, तभी पिपरी गांव के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। अमरौधा चौकी इंचार्ज अमित पोरवाल ने बताया कि परिजनों की तहरीर मिलने के बाद अज्ञात वाहन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सपा नेता पर नाबालिग से दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और मतांतरण का आरोप

» वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वर्षों तक किया शोषण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नाबालिग से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग और जबरन मतांतरण के आरोपों से जुड़ा सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सपा से जुड़े बताए जा रहे एक स्थानीय नेता समेत चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट, धमकी और धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन अन्य फरार हैं।

पीड़िता के अनुसार वर्ष 2013 में पिता की मृत्यु के समय वह नाबालिग थी और मानसिक रूप से भी अस्थिर अवस्था में थी। इसी दौरान बीरपुर निवासी आमिर जैदी ने कथित तौर पर उसे प्रेम जाल में फंसाया और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बना लिए। आरोप है कि इन्हें वायरल करने की धमकी देकर वह कई वर्षों तक उसका यौन शोषण करता रहा। शिकायत में कहा गया है कि जब परिवार ने उसकी सगाई दूसरे धर्म के युवक से तय की, तो आरोपित ने विरोध शुरू कर दिया और संबंध तोड़ने का दबाव बनाया।

पीड़िता का आरोप है कि आमिर जैदी अपने साथियों शनि उर्फ सनी अब्बास, रिजवी और राजा उर्फ अख्तर अंसारी के साथ मिलकर उस पर मतांतरण और शादी का दबाव बना रहा था।

व्हाट्सएप कॉल, सोशल मीडिया और फर्जी आईडी के जरिए धमकियां दी गई कि शादी नहीं होने दी जाएगी और अश्लील फोटो-वीडियो रिश्तेदारों में वायरल कर बदनाम किया जाएगा। होने वाले पति और ससुराल पक्ष से संपर्क कर उन्हें भी डराने का आरोप है।

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि सभी गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

डिजिटल साक्ष्यों, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया अकाउंट्स की गहन जांच चल रही है। वहीं सपा के घाटमपुर विधानसभा अध्यक्ष राजू वर्मा ने कहा कि आरोपित का पार्टी से वर्तमान में कोई सक्रिय पद या संबंध नहीं है।

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर व सीआई हब का किया निरीक्षण

आईआईटी कानपुर की एआई-डीप-टेक से मजबूत होगी नौसेना की समुद्री ताकत

प्रमुख संवाददाता 7 स्वराज इंडिया

कानपुर। भारतीय नौसेना की रणनीतिक तैयारियों, डिजिटल सुरक्षा और भविष्य की युद्ध क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर की एआई और डीप-टेक क्षमताएं निर्णायक भूमिका निभाने जा रही हैं। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक के उपयोग और आत्मनिर्भर रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के उद्देश्य से नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मंगलवार को आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (स्ढ्ढढ्ढष्ट) तथा राष्ट्रीय महत्व के साइबर सुरक्षा केंद्र सी3आई हब का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान नौसेना प्रमुख ने रक्षा एवं सामरिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित 15 उच्च-प्रभावी डीप-टेक स्टार्टअप्स की परियोजनाओं का मूल्यांकन किया। इन परियोजनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निर्णय प्रणाली, साइबर डिफेंस आर्किटेक्चर, स्वायत्त समुद्री व वायु प्लेटफॉर्म, ड्रोन टेक्नोलॉजी, उन्नत सामग्री और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े समाधान शामिल हैं।

एसआईआईसी के प्रभारी प्रो. दीपू फिलिप ने नौसेना प्रमुख को स्टार्टअप्स द्वारा विकसित प्रोटोटाइप, एल्गोरिदम-आधारित सिस्टम और मिशन-रेडी टूल्स की जानकारी दी। इसके बाद

➪ **एआई, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों पर संयुक्त परियोजनाओं के संकेत**

लगभग ढाई घंटे तक चली समीक्षा बैठक में संस्थान के उपनिदेशक प्रो. ब्रज भूषण और विषय विशेषज्ञों के साथ नौसेना में इन तकनीकों के रणनीतिक समावेश, परीक्षण और चरणबद्ध तैनाती पर चर्चा हुई।

बैठक में विशेष रूप से समुद्री सीमाओं की डिजिटल निगरानी, बंदरगाहों व तटीय प्रतिष्ठानों की साइबर सुरक्षा, डेटा-आधारित खतरा आकलन और नेटवर्क-सेंट्रिक ऑपरेशन्स को मजबूत करने के उपायों पर मंथन किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि आईआईटी कानपुर से जुड़े कई स्टार्टअप्स इन क्षेत्रों में द्वैध-उपयोग (ष्ठह्वड्ढ्य-ह्यद्ग) तकनीक विकसित कर रहे हैं, जिन्हें नौसेना की आवश्यकताओं के अनुरूप त्वरित रूप से अनुकूलित किया जा सकता है।

उपनिदेशक प्रो. ब्रज भूषण ने कहा कि यह दौरा रक्षा अनुसंधान, स्वदेशी नवाचार और सैन्य-शैक्षणिक सहयोग को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा संस्थान, स्टार्टअप्स और सशस्त्र बलों के बीच यह तालमेल देश की समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और भविष्य की युद्ध तैयारियों को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करेगा।

- नौसेना की दीर्घकालिक तकनीकी रोडमैप से जुड़ा आईआईटी कानपुर
- एआई व साइबर डिफेंस से समुद्री सीमाओं की डिजिटल घेराबंदी
- स्वदेशी डीप-टेक स्टार्टअप्स से सैन्य आधुनिकीकरण को गति
- ड्यूल-यूज़ तकनीकों पर आधारित संयुक्त अनुसंधान की संभावना
- आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर रक्षा की दिशा में ठोस पहल

हिमस्खलन में जवानों की ढाल बना स्वदेशी 'एवलांच एयरबैग'

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर स्थित डीआरडीओ से जुड़े तंत्र ने हिमालयी और बर्फीले इलाकों में तैनात भारतीय जवानों की सुरक्षा को लेकर बड़ी तकनीकी सफलता हासिल की है। डीआरडीओ द्वारा विकसित स्वदेशी एवलांच एयरबैग अब हिमस्खलन जैसी घातक परिस्थितियों में जवानों के लिए ढाल का काम करेगा।

कालपी रोड पर आयोजित एमएसएमई एक्सपो में डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ क्वालिटी एश्योरेंस (डीजीक्यूए) के स्टॉल पर इस अत्याधुनिक उपकरण का प्रदर्शन किया गया, जिसने रक्षा विशेषज्ञों और आम लोगों का खासा ध्यान खींचा। डीजीक्यूए के असिस्टेंट इंजीनियर नीरज कुशवाहा के अनुसार, जवान इस एयरबैग को पीठ पर बैग की तरह पहनेंगे। हिमस्खलन का खतरा महसूस होते ही बैग में लगा हैंडल खींचने पर चार सेकेंड से भी कम समय में एयरबैग पूरी तरह फूल जाता है। इससे जवान का शरीर बर्फ के भीतर दबने से बचता है और सतह पर बने रहने की संभावना बढ़ जाती है। एयरबैग का लाल रंग विशेष रूप से चुना गया है, ताकि यदि जवान बर्फ में दब भी जाए तो रेस्क्यू टीम उसे दूर से आसानी से चिन्हित कर सके।

गैस सिलिंडर से मुक्ति, बैटरी सिस्टम से बड़ी राहत: विशेषज्ञों के मुताबिक पहले इस्तेमाल होने वाले एवलांच एयरबैग गैस सिलिंडर आधारित होते थे, जिन्हें ले जाना और बार-बार उपयोग करना कठिन था। नया स्वदेशी मॉडल बैटरी आधारित है, जो एक बार चार्ज होने पर करीब 50 बार एयरबैग फुला सकता है। अब तक इस तरह के उपकरण विदेशों से आयात किए जाते थे, लेकिन आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत इसका निर्माण देश में ही किया जा रहा है और इसे सुरक्षा बलों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

➪ **कानपुर डीआरडीओ की बड़ी उपलब्धि, 4 सेकेंड में फुलने वाला सुरक्षा कवच**

➪ **एमएसएमई एक्सपो में रक्षा विशेषज्ञों ने खूब सराहा स्वदेशी नवाचार**

माइनस 40 डिग्री में भी कारगर लिप बाम

डीआरडीओ ने अत्यधिक ठंडे इलाकों में तैनात जवानों के लिए विशेष लिप बाम भी विकसित किया है। यह उत्पाद माइनस 40 डिग्री तापमान में भी नहीं जमता, जबकि पहले उपयोग में आने वाले लिप बाम सफेद परत बनाकर जम जाया करते थे। यह नवाचार भी कठिन परिस्थितियों में जवानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा।

महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों की पिटाई, भारी हंगामा

स्वराज इंडिया

कानपुर. मंधना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में स्कूल प्रशासन द्वारा छात्रों की बेरहमी से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई और छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

सूचना मिलते ही मामले को गंभीरता से लेते हुए बिठूर थाने का फोर्स मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। बढ़ते तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बिठूर क्षेत्र में स्थित महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज पर एसीपी कल्याणपुर और एडीसीपी पश्चिम मौके पर पहुंचे। एडीसीपी पश्चिम के साथ आधा दर्जन थानों का फोर्स मौके पर मौजूद रहा।

इस दौरान डीसीपी पश्चिम भी घटनास्थल पर पहुंचे और छात्रों की पिटाई के आरोप में कॉलेज के चार शिक्षकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए मौके पर पीएसी भी तैनात की गई है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। छात्रों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

➪ **चार शिक्षक हिरासत में, मौके पर भारी पुलिस बल तैनात**

कानपुर मेट्रोः सेंट्रल से नौबस्ता तक पहली बार हुआ टेस्ट रन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर शहर के लिए सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई है। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से नौबस्ता तक मेट्रो की अप लाइन पर मंगलवार को पहली बार टेस्ट रन सफलतापूर्वक शुरू किया गया। यह मेट्रो परियोजना के कॉरिडोर-1 का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। इस सेक्शन के चालू हो जाने के बाद कानपुर के दक्षिणी हिस्से को सीधे शहर के प्रमुख रेलवे जंक्शन से जोड़ने का सपना साकार होने जा रहा है।

अब तक कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता तक

सड़क मार्ग से यात्रा करने में करीब 35 से 40 मिनट का समय लग जाता था। ट्रैफिक जाम, सिग्नल और बढ़ते वाहनों के कारण यह सफर अक्सर और लंबा हो जाता था। मेट्रो के संचालन के बाद यही दूरी सिर्फ 13 मिनट में तय की जा सकेगी, जिससे यात्रियों के समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। टेस्ट रन के दौरान मेट्रो ट्रेन की ट्रैक की मजबूती,सिग्नल सिस्टम, ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन, ब्रेकिंग सिस्टम, गति और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार सभी तकनीकी परीक्षण चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे। कानपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (केएमआरसीएल) के अधिकारियों का कहना है कि टेस्ट रन सफल रहने के बाद सुरक्षा प्रमाणन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सभी आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद सेंट्रल से नौबस्ता सेक्शन पर यात्री सेवाएं जल्द शुरू कर दी जाएंगी।

'स्तन कैंसर' का 90 प्रतिशत तक इलाज हुआ संभव

कैंसर को लेकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने चलाया जागरूकता अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने महिलाओं को स्तन कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। आओ देखो सीखे कार्यक्रम के तहत 500 से अधिक महिलाओं को स्तन कैंसर की पहचान और बचाव का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ताओं और विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाला सबसे आम कैंसर है। आंकड़ों के अनुसार, देश में हर साल लगभग 2 लाख नए मामले सामने आते हैं। चिंताजनक बात यह है कि जागरूकता की कमी के कारण लगभग 50 से 60 प्रतिशत महिलाएं बीमारी के गंभीर चरण में ही अस्पताल पहुँचती हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा, स्तन स्व-परीक्षण एक सरल और सुरक्षित तरीका है। महिलाएं स्वयं अपने स्वास्थ्य की निगरानी कर सकती हैं। नियमित जांच से किसी भी बदलाव को समय रहते पहचाना जा सकता है, जिससे सफल उपचार की संभावना बढ़ जाती है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं और महिलाओं को सशक्त बनाना ही इस दिवस की वास्तविक सार्थकता है।विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि यदि स्तन कैंसर की पहचान शुरुआती अवस्था में हो जाए, तो उपचार की सफलता दर 90 प्रतिशत तक होती है। इसी उद्देश्य से महिलाओं को स्तन स्व-परीक्षण की सरल और प्रभावी विधि सिखाई गई, जो पूरी तरह निःशुल्क है।

कार्यक्रम में विभाग की वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशिक्षण देने वाले चिकित्सकों में डॉ. नीना गुप्ता, डॉ. सीमा द्विवेदी, डॉ. गरिमा गुप्ता, डॉ. करिश्मा शर्मा, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. प्रतिमा, डॉ. रश्मि गुप्ता और डॉ. नीलू शामिल थीं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की नवीनीकृत शाखा का उद्घाटन हुआ सम्पन्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की व्यक्तिगत बैंकिंग शाखा (PBB) के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन आज सिविल लाइंस स्थित 13/356, पिमट, ग्रीन पार्क गेट नं. 1 के सामने सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह मुख्य महाप्रबंधक दीपक कुमार रे (लखनऊ सर्किल) द्वारा किया गया।

इस अवसर पर लखनऊ नेटवर्क-2 के महाप्रबंधक राजीव कुमार, उप-महाप्रबंधक रजनीश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव पचौरी, शाखा प्रबंधक सोनी कुमारी सहित अनेक गणमान्य ग्राहक उपस्थित रहे।

शाखा में शुभ अवसर पर हवन का आयोजन भी किया गया, जिसमें आसपास के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्षेत्रवासियों में SBI की पीबी शाखा के नवीनीकरण एवं बेहतर सुविधाओं के शुभारंभ को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में जरूरी

» संभव पोर्टल के जरिए प्राप्त कुल 5 जनशिकायतें प्रस्तुत की गईं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर विकास विभाग के निर्देशों के तहत प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले संभव दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत नगर निगम कार्यालय में संभव पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों की समीक्षा की गई। नगर आयुक्त द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक में संभव पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कुल 5 जनशिकायतें प्रस्तुत की गईं। नगर आयुक्त ने शिकायतों की प्रकृति, गुणवत्ता और स्थलीय स्थिति का गहन अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा समाधान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे शिकायतकर्ताओं को संतोषजनक और स्थायी राहत मिल सके। साथ ही निर्देश दिए गए कि की गई कार्रवाई की आख्या संभव पोर्टल पर समय से अद्यतन करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

सम्पादकीय

दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप हो

देश में आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकार और समाज के स्तर पर चिंताएं तो व्यक्त की जाती हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिये कारगर उपाय सिरे चढ़ते नजर नहीं आते। इस बारे में बार-बार वायदे किए जाते हैं, वहीं सुधार के लिये टुकड़ों-टुकड़ों में हस्तक्षेप किया जाता है। फलत~ परिणाम वही ढाक के तीन पात रहता है। यह आंकड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में हर साल 1.6 लाख से अधिक मौतें सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में होती हैं। विडंबना देखिए कि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के मुकाबले सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा लोगों की जान ले लेती हैं। हाल ही में सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के लिये किए गए सर्वेक्षण में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। संस्था द्वारा वर्ष 2023 व 2024 में 100 जिलों में सड़क दुर्घटनाओं पर किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे तक समय सड़क हादसों के लिये सबसे घातक होता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिये 18 सड़क गलियारों की पहचान की गई है, जिनमें सर्वेक्षण अवधि में सबसे अधिक मौते हुई थीं। इसके साथ ही दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील सौ जिलों में ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य पहल है। यह जानते हुए कि दुर्घटना रोकने के लिये सामान्य सलाह और एक समान नीतियां लक्ष्य हासिल करने में विफल रही हैं। यकीनी तौर पर दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप बदलाव लाने के लिये बेहतर दृष्टिकोण साबित हो सकता है। बहुत संभव है कि एक खराब ढंग से डिजाइन किया गया मोड़, सड़क पर पर्याप्त रोशनी का न होना, प्रवर्तन में शिथिलता तथा ड्राइविंग में लापरवाही की आदतें, किसी क्षेत्र या जिला विशेष में सड़क दुर्घटनाओं की वजह हो सकती है। निश्चित तौर पर उच्च मृत्यु दर वाले गलियारों का मानचित्रण अधिकारियों को, उन क्षेत्रों में इंजीनियरिंग सुधार, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया बल तैनात करने में सहायक हो सकता है। निस्संदेह, साक्ष्य और अतीत के अनुभव बताते हैं कि लक्षित प्रवर्तन बेहतर परिणाम दे सकता है। बंगलुरू का अनुभव बताता है कि लक्षित प्रयासों से वहां लगातार दूसरे वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के बावजूद मृत्यु दर में कमी आई है। जो इन प्रयासों की सार्थकता को दर्शाता है। निस्संदेह, अन्य शहरों को भी डेटा आधारित पुलसिंग, सीसीटीवी निगरानी और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिये इस मॉडल को अपनाना होगा। इसमें दो राय नहीं कि केंद्र सरकार की योजना तभी सफल होगी, जब वह पहचान और प्रतीकात्मकता से आगे बढ़कर काम करे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी पिछली कोशिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल न होने से विफल रही हैं। इन सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन में व्याप्त कमियों को दूर करने के लिये निरंतर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने, कार्यान्वयन एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ ही परिणामों का नियमित ऑडिट करना आवश्यक है। इस बाबत सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्यों को कार्रवाई करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहिए। वैसे सिर्फ राजमार्गों पर ही ध्यान केंद्रित करने के भी कई खतरे हैं। यह जानते हुए कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क नेटवर्क का मुश्किल से 2 से तीन प्रतिशत हिस्सा ही है। लेकिन ट्रैफिक की गति की तीव्रता के चलते इन पर होने वाली मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है। साल 2025 की पहली छमाही ही में करीब छब्बीस हजार से अधिक मौतें हुई हैं। वास्तव में शहरी सड़कें, जहां पैदल यात्री,साइकिल चालक और दोपहिया वाहन चालकों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या का बड़ा हिस्सा है, वे अक्सर उपेक्षित रह जाती हैं।

इन सड़कों को बेहतर बनाने के लिये निवेश बढ़ाए जाने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षित डिजाइन तैयार करने, वाहनों की गति का प्रबंधन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट बांधना सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन देखभाल व्यवस्था को साथ-साथ लागू करने की भी आवश्यकता है।

राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

विमल सचदेव

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते।

हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया। यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो। संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते

यूनाइटेड किंगडम

डा0 रघुनन्दन शुक्ला

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को मदर आफ ऑल डील्स कहा जा रहा है।

क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है। उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि

का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवत~ मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दर्शाता है। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा। भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है। यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है ।

प्रशासन लौटा, पर मदार की चौखट पर अब भी लगी है दुआओं की कतार

बसंत मेला कागज़ों में खत्म, मगर मकनपुर में आस्था, रोज़ी और रौनक अब भी जिंदा

रिजवान कुरैशी, स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर में बसंत मेला भले ही प्रशासनिक तौर पर समाप्त घोषित कर दिया गया हो, अस्थायी कोतवाली और तहसील भी अपने-अपने ठिकानों पर लौट गई हों, लेकिन हजरत सय्यद बदीउद्दीन जिंदाशाह मदार की दरगाह पर आज भी वही भीड़ है–हाथों में चादर, आंखों में उम्मीद और दिल में दुआ।

मंगलवार को मेला तहसील परिसर में औपचारिक समापन समारोह हुआ। अधिकारियों ने कानून व्यवस्था और बेहतर इंतजामों की सराहना की, प्रशस्ति पत्र बांटे गए और जिम्मेदारियों का लेखा-जोखा पूरा हुआ। मगर प्रशासनिक मंच से उतरते ही एक दूसरी तस्वीर सामने थी–दरगाह की ओर बढ़ते जायरीन, दुकानों पर मोलभाव करते परिवार और झूलों पर हंसते बच्चे।

यह मेला सिर्फ तारीखों का आयोजन नहीं, बल्कि उन लोगों की साल भर की आस है, जिनकी रोज़ी, दुआ और सुकून इसी से जुड़ी है। कोई मन्नत पूरी होने की खुशी में चादर चढ़ाने आया है, तो कोई टूटती उम्मीदों को जोड़ने। बुजुर्ग दरगाह के साये में सुकून तलाशते दिखते हैं, महिलाएं खरीदारी और इबादत के बीच संतुलन बनाती हैं, और बच्चे झूलों के शोर में अपनी खुशियां ढूंढ लेते हैं।

मेले से जुड़े छोटे दुकानदारों और पशु व्यापारियों के लिए बसंत मेला साल का सबसे बड़ा सहारा होता है। इस बार पशु बाजार में हुई अच्छी खरीद-फरोख्त ने कई परिवारों की मेहनत को मायने दिए। व्यापारियों का कहना है कि अनुकूल मौसम और बेहतर व्यवस्थाओं ने उन्हें पिछले वर्षों से बेहतर कमाई का मौका दिया।

मेला कमेटी के सदस्य नंदलाल पाल और पूर्व प्रधान इमरान शिकोह जाफरी बताते हैं कि प्रशासन और स्थानीय लोगों के तालमेल ने इस बार मेले को यादगार बना दिया। उनके अनुसार, भले ही प्रशासनिक रूप से मेला समाप्त हो गया हो, लेकिन दुकानें और पशु बाजार अभी 15 से 20 दिन तक चलते रहेंगे। साफ-सफाई और पेयजल की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत संभालेगी। बसंत मेला अब सरकारी फाइलों में इतिहास बन चुका है, लेकिन मकनपुर की गलियों में वह आज भी सांस ले रहा है दुआओं में, दुकानों की आवाज़ों में और उन चेहरों पर उभरी मुस्कान में, जो हर साल इसी मेले के साथ लौट आती है।

मकनपुर बसंत मेला एक नज़र में

- बसंत मेले का प्रशासनिक समापन, अस्थायी कोतवाली व तहसील लौटी
- दरगाह पर जायरीनों की आवाजाही लगातार जारी
- पुलिस, अग्निशमन और मेला कमेटी को प्रशस्ति पत्र
- पशु बाजार में इस बार रिकॉर्ड खरीद-फरोख्त
- छोटे दुकानदारों के लिए मेला बना बड़ी आजीविका
- दुकानें व बाजार 15-20 दिन तक रहेंगे चालू
- साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था ग्राम पंचायत के जिम्मे

उसरी भूमि पर बने अवैध निर्माण को किया गया ध्वस्त

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। तहसील बिल्हौर क्षेत्र में प्रशासन द्वारा अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम नेवादा वंशी स्थित उसरी भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को राजस्व टीम ने गिराकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद संबंधित भूमि को कब्जा मुक्त करा लिया गया।

उप जिलाधिकारी बिल्हौर डॉ संजीव दीक्षित के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई राजस्व निरीक्षक शिवराजपुर द्वारा की गई। अभियान का नेतृत्व राजस्व निरीक्षक राजेश दुबे ने किया। मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल स्मिता के साथ थाना शिवराजपुर की पुलिस टीम मौजूद रही। राजस्व व पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशों के तहत अवैध कब्जों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

लॉयर्स एसोसिएशन चुनाव

जनार्दन यादव निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित, मालाओं से लादे गए

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। द लॉयर्स एसोसिएशन के बहुप्रतीक्षित चुनाव को लेकर मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया पूरी कर ली गई। एल्डर्स कमेटी की देखरेख में हुई जांच के बाद अध्यक्ष पद पर जनार्दन यादव के निर्विरोध निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा कर दी गई। अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र नामांकन मिलने के कारण चुनाव की आवश्यकता नहीं पड़ी। एल्डर्स कमेटी के सदस्यों ने बताया कि संगठन के कुल 18 पदों के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए थे। नामांकन की अंतिम तिथि तक अधिकांश पदों पर एक-एक प्रत्याशी के ही आवेदन प्राप्त हुए, जिससे निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय हो गया था। जांच के बाद सभी नामांकन वैध पाए गए।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर ऋषि गुप्ता और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गौरव शर्मा निर्वाचित हुए। मंत्री पद पर अमरेश कुमार और कोषाध्यक्ष पद पर रीतेश गुप्ता का चयन किया गया। वहीं संयुक्त मंत्री पद के लिए रमाकांत राठौर और अनिरुद्ध शुक्ला सयुक्त मंत्री पुस्तकालय पद के कामयाब हुसैन जाफरी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य पद पर मनोज, नीरज, दीपक, सूरज, सुनील, विकास और अरविंद को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अंकेक्षक पद पर गौरव को निर्विरोध चुना गया। महामंत्री पद को लेकर मुकाबला है। इस पद के लिए कुशल पांडे और विनय सैनी ने नामांकन दाखिल किया है। दोनों नामांकन वैध पाए जाने के बाद एल्डर्स कमेटी ने 17 फरवरी को मतदान कराने का निर्णय लिया है। मतदान को लेकर अधिवक्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

- ⇨ महामंत्री पद पर आमने-सामने दो प्रत्याशी, 17 फरवरी को होगा मतदान
- ⇨ नवनिर्वाचित अध्यक्ष बोले, अधिवक्ताओं की समस्याएं हल होंगी प्राथमिकता से

अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चयन के बाद अधिवक्ताओं ने जनार्दन यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान अमित अग्निहोत्री, कुशल पांडे, सुशांक मिश्रा, कैलाश यादव, सुबोध यादव, जेपी कटियार, विक्रम सहित अन्य अधिवक्ताओं ने बधाई दी और संगठन को मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष जनार्दन यादव ने कहा कि वे अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाएंगे और संगठन की गरिमा को बनाए रखते हुए सभी को साथ लेकर काम करेंगे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए एल्डर्स कमेटी का आभार जताया।

फतेहपुर स्टेशन पर कछुआ तस्करी का बड़ा भंडाफोड़, 148 जीवित कछुए बरामद

» जीआरपी-आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई, 40 लाख के कछुओं की खेप पकड़ी

» पश्चिम बंगाल ले जाए जा रहे थे कछुए, एक नाबालिग समेत दो तस्कर हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने कछुआ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। प्लेटफॉर्म और यात्रियों के सामान की जांच के दौरान टीम को संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी।

तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से 148 जीवित कछुए बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 40 लाख रुपये आंकी गई है। बरामदगी के बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया।कार्रवाई के दौरान टीम ने दो लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी सुल्तानपुर जनपद के रहने वाले हैं और ट्रेन के जरिए कछुओं की खेप पश्चिम बंगाल ले जाकर ऊंचे दामों पर बेचने की तैयारी में थे।

तस्करी के लिए कछुओं को बैग और डिब्बों में छिपाकर रखा गया था, ताकि चेकिंग में आसानी से पकड़ में न आएं।अधिकारियों के मुताबिक, यह कोई अकेली खेप नहीं बल्कि एक संगठित तस्करी चैन का हिस्सा हो सकती है। आशंका है कि इसके पीछे एक बड़ा गिरोह सक्रिय है, जो अलग-अलग

राज्यों से वन्यजीवों को पकड़कर दूसरे राज्यों में सप्लाई करता है। बरामद सभी कछुओं को सुरक्षित रूप से वन विभाग को सौंप दिया गया है, जहां उनका चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है और बाद में उन्हें प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा।जीआरपी, आरपीएफ और वन विभाग की संयुक्त टीम अब आरोपियों से पूछताछ कर सप्लाई रूट, संपर्क सूत्रों और गिरोह के मास्टरमाइंड की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल डाटा और यात्रा विवरण खंगाला जा रहा है। जल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

आगरा में 40 से अधिक हिंदू परिवारों ने घरों पर लगाए 'मकान बिकाऊ' के पोस्टर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। आगरा के एक इलाके में सामाजिक तनाव की तस्वीरें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, मुस्लिम युवकों द्वारा लगातार विवाद, धमकी और मारपीट की घटनाओं से तंग आकर 40 से अधिक हिंदू परिवारों ने अपने मकानों पर 'मकान बिकाऊ है' के पोस्टर लगा दिए हैं।पीड़ित परिवारों का कहना है कि उन्होंने कई बार आपसी स्तर पर मामला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन हालात सुधरने के बजाय बिगड़ते चले गए। लोगों के अनुसार, आए दिन के झगड़े, डर का माहौल और कथित धमकियों के चलते अब उनके पास इलाका छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।स्थानीय निवासी बोले कि यह फैसला किसी शौक में नहीं लिया गया, बल्कि मजबूरी में लिया गया है। बच्चों और परिवार की सुरक्षा अब सबसे बड़ा सवाल बन गई है। इलाके में एक साथ कई घरों पर 'बिकाऊ' के पोस्टर लगने से प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे उनका भरोसा टूटता जा रहा है। फिलहाल पुलिस प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि निष्पक्ष जांच हो और इलाके में शांति व सुरक्षा बहाल की जाए।

प्रदेश का समर्थन मिलते ही उग्र हुए व्यापारी आज चौकी इंचार्ज का फूंकेंगे पुतला

चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं तो आंदोलन होगा प्रदेश स्तर तक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद।प्रदेश संगठन का समर्थन मिलते ही युवा व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव के तेवर और तीखे हो गए हैं। व्यापारी नेता ने भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे बजरिया चौकी इंचार्ज के खिलाफ खुला मोर्चा खोलते हुए 5 फरवरी को पुतला फूंकने का ऐलान किया है। आंदोलन के उग्र रूप लेने की आशंका जताई जा रही है।

व्यापारी नेता द्वारा जारी ऑडियो वायरल होने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। ऑडियो में अंकुर श्रीवास्तव ने कहा कि व्यापारी संगठनों ने पहले एसपी को ज्ञापन सौंपकर चौकी इंचार्ज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। कार्रवाई न होने पर मशाल जुलूस निकाला गया, बावजूद इसके कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने दावा किया कि चौकी इंचार्ज के खिलाफ ठोस साक्ष्य मौजूद हैं और उन्होंने स्वयं पुलिस प्रशासन से कहा है कि यदि चौकी इंचार्ज दोषी पाए जाते हैं तो उन पर कार्रवाई हो, अन्यथा हमारे खिलाफ कार्रवाई की जाए।

युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव

नामजद मुकदमे से भड़के व्यापारी

व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस ने आंदोलन का मनोबल तोड़ने के लिए व्यापारियों पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। इतना ही नहीं, व्यापारियों को डराने के उद्देश्य से गलत ढंग से चालान किए जा रहे हैं और दबिश दी जा रही है। अंकुर श्रीवास्तव ने स्पष्ट कहा कि यह आवाज दबने वाली नहीं है। प्रदेश नेतृत्व हमारे साथ है। जरूरत पड़ी तो चौकी इंचार्ज के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि 5 फरवरी को पुतला दहन निश्चित है। अगर पुलिस को हमारी जरूरत हो तो फोन करे, हम स्वयं गिरफ्तारी देने पहुंच जाएंगे। हालांकि व्यापारी नेता ने यह भी साफ किया कि उनका किसी पुलिसकर्मी से व्यक्तिगत रंजिश नहीं है हम सिर्फ भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं, पुलिस प्रशासन से टकराव नहीं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को सोशल मीडिया पर मिली धमकी

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सोशल मीडिया के जरिए सबक सिखाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में लखनऊ में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष की ओर से हुसैनगंज थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। धमकी देने का आरोप एक भाजपा विधायक के करीबी व्यक्ति पर लगाया गया है।कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से दी गई धमकी गंभीर है और इसे राजनीतिक डराने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस साइबर एंगल से भी मामले की पड़ताल कर रही है और संबंधित अकाउंट व संदेशों की जांच की जा रही है।उधर, प्रदेश में वीआईपी सुरक्षा में हाल में सामने आई चूक को गंभीरता से लेते हुए यूपी सरकार ने बड़ा फैसला किया है। सरकार ने मुख्यमंत्री समेत अन्य अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस स्पेशल फोर्स को हाईटेक प्रशिक्षण मेघालय में दिया जाएगा। शासन स्तर से इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत व आधुनिक बनाया जा सके।

बोलेरो ने भूसा लदे ट्रैक्टर में मारी टक्कर, दो चालक घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बोलेरो ने भूसा लदे ट्रैक्टर को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो व ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।मंगलपुर के ककरइया गांव का ट्रैक्टर चालक नीलेश भूसा लादकर सिकंदरा जा रहा था। मदियापुर गांव के सामने बोलेरो ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो चालक आशीष, निवासी सिखमापुर (भोगनीपुर) भी घायल हो गया। हादसे से कुछ देर के लिए आवागमन ठप हो गया। राजपुर पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल राजपुर पीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। राजपुर थानाध्यक्ष सनत कुमाने ने बताया कि अभी तक कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

दरोगा लाइन हाजिर, आरोपी फरार, पुलिस पर उठे सवाल

यौन उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी में सिकन्दरा पुलिस की किरकिरी के बाद दर्ज हुआ केस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। सिकन्दरा थाना पुलिस एक बार फिर कार्यशैली को लेकर सवालों के घेरे में है। यौन उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर आरोपों के बावजूद समय पर मुकदमा दर्ज न करने के चलते पुलिस महकमे की जमकर किरकिरी हुई, जिसके बाद उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप पर मामला दर्ज किया गया।

पूरा मामला 18 जनवरी का है। औरैया जनपद के सेगनपुर निवासी पीड़िता प्रिया ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह गोविन्द कुमार उर्फ चिराग पुत्र दिनेश कुमार को बीते पांच वर्षों से जानती है। पीड़िता पूर्व में पीएनबी शाखा में रिकवरी एजेंट के पद पर कार्यरत थी। आरोप है कि इस दौरान गोविन्द ने फर्जी ऋण पास कराने का दबाव बनाया। मना करने पर आरोपी ने निजी तस्वीरें और कॉल रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी देनी शुरू कर दी।

पीड़िता के अनुसार 18 जनवरी को आरोपी ने सिकन्दरा हाईवे स्थित एक चर्चित ढाबे पर बुलाया, जहां उसने गाली-गलौज कर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। यौन उत्पीड़न किया और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों को थाने ले गई। पीड़िता का आरोप है कि उसने थाने में लिखित प्रार्थना पत्र देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बीच आरोपी द्वारा खुद को निर्दोष बताते हुए की गई शिकायत पर एक दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया, जिससे मामला और भी चर्चा में आ गया।

पीड़िता ने एसपी को बताया कि पुलिस कार्रवाई न होने से वह मानसिक रूप से प्रताड़ित है और उसे भविष्य में किसी अप्रिय घटना की आशंका है। पुलिस अधीक्षक ने सिकन्दरा थाना पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि एसपी के आदेश पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

समय से योजनाएं पूरी न होने पर अफसरों को चेतावनी

» समीक्षा बैठक में विधायक-सांसद निधि कार्यों पर सीडीओ सख्त

» लापरवाही पर चेतावनी, गुणवत्ता से समझौता नहीं, पोर्टल अपडेट जरूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल की अध्यक्षता में विधायक/सांसद निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित सभी कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में स्वीकृत, प्रगतिशील, अपूर्ण एवं अब तक प्रारंभ न हुए कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। सीडीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धीमी प्रगति वाले कार्यों को प्राथमिकता पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वीकृत कार्यों के सापेक्ष धनराशि अवमुक्ति में अनावश्यक देरी न हो और सभी योजनाओं की रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल पर जरूर अपलोड की जाए। उन्होंने कहा कि सही व पूर्ण डेटा ही पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का आधार है। सीडीओ ने दो टूक कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। वहीं, स्वीकृत होने के बावजूद शुरू न हुई योजनाओं को तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश भी दिए ।

संदिग्ध बीमारी की सूचना पर गांव में जांच करने पहुंची स्वास्थ्य टीम

पिचौरा गांव में 15 मरीजों को मिला इलाज
कुछ मरीजों के खून के सैंपल लिए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। बीहड़ पट्टी क्षेत्र के पिचौरा गांव में संदिग्ध बीमारी फैलने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची। टीम ने बुखार, खांसी और जुकाम से पीड़ित ग्रामीणों की जांच कर दवाइयां वितरित कीं तथा कुछ मरीजों के खून के नमूने भी लिए गए राजपुर ब्लाक के पिचौरा गांव में पुष्पा, शिल्पी, यशोदा, मिथलेश, बालादीन, सुजीत, गोल्डी समेत करीब 20 ग्रामीण कई दिनों से बुखार की चपेट में बताए जा रहे हैं। गांव निवासी शिवपाल ने राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बीमारी की सूचना दी थी। इसके बाद प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सलिल सचान के निर्देश पर डॉ. अनूप द्विवेदी स्वास्थ्य टीम के साथ मौके गांव भी पहुंचे। स्वास्थ्य टीम ने मौके पर 15 मरीजों की जांच की। फार्मासिस्ट सुरेश शुक्ला ने बुखार से पीड़ित पांच लोगों के खून के नमूने संकलित किए। डॉ. अनूप द्विवेदी ने बताया कि अधिकांश मरीज वायरल खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित हैं। कुछ मामलों में मलेरिया की जांच के लिए स्लाइड भी बनाई गई है। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि गांव में गंदगी और नालियों में जलभराव बीमारी फैलने का प्रमुख कारण है। इस संबंध में राजपुर ब्लाक के एडीओ पंचायत कल्याण सिंह ने बताया कि गांव के सफाई कर्मचारी को बुलाकर तत्काल सफाई कराने के निर्देश दे दिए गए हैं।

शब-ए-बरातः खुशबू से महके कब्रिस्तान

मांगी गई मगफिरत की दुआएं

पूरी रात इबादत का सिलसिला चलता रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शब-ए-बरात अकीदत और एहतराम के साथ मनाई गई। इस मौके पर मस्जिदें गुलज़ार रहीं और विशेष सजावट की गई। पूरी रात इबादत में गुजारी, वहीं कब्रिस्तानों में चिरागां कर दुनिया से रुख्सत हो चुके अपनों की मगफिरत के लिए अल्लाह से दुआ मांगी गई।

कब्रिस्तानों में गुलाब और इत्र की खुशबू से माहौल महक उठा। लोगों ने अपने अजीजों और रिश्तेदारों की कब्रों पर जाकर फातेहा पढ़ी और दुआएं कीं। सिकंदरा कस्बे की खजूर वाली मस्जिद में विशेष सजावट की गई, जहां बड़ी संख्या में नमाजियों ने शिरकत की। खजूर वाली मस्जिद के इमाम हाफिज मुजीब रजा ने बताया कि इस्लामी कैलेंडर के अनुसार 14 शाबान की रात शब-ए-बरात मुसलमानों के लिए फजीलत की रात होती है। इस रात अल्लाह की इबादत की जाती है और गुनाहों से तौबा कर मगफिरत की दुआ मांगी जाती है। सिकंदरा कस्बे की खजूर वाली मस्जिद, जामा मस्जिद और बाबा वाली मस्जिद में पूरी रात इबादत का सिलसिला चलता रहा। वहीं सिकंदरा, राजपुर, जल्लापुर, अफसरिया, पीतमपुर, रमऊ समेत मुस्लिम बहुल इलाकों के कब्रिस्तानों में भी चिरागां किया गया।मस्जिदों में जलसे मुनक्किद किए गए और घरों में नियाज-नजर का आयोजन हुआ। दूसरी ओर राजपुर

कस्बे में भी कब्रिस्तानों में चिराग जलाए गए, जहां लोगों ने अपने अजीजों की कब्रों पर जाकर दुआएं कीं। नूरी जामा मस्जिद के इमाम सैय्यद अजमत बरकाती ने तकरीर करते हुए कहा कि शब-ए-बरात की रात इबादत करने वालों के गुनाह माफ होते हैं और आने वाले पूरे साल के फैसले इसी रात तय होते हैं। उन्होंने बताया कि पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद से जुड़ी उवैस करनी की अकीदत का किस्सा भी शब-ए-बरात से जुड़ा है, इसी वजह से इस दिन हलुवे की फातेहा की परंपरा है।

हंसपुर का मुख्य मार्ग बना दलदल बच्चों की पढ़ाई पर भारी बदहाली

पीडब्ल्यूडी की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हजारों ग्रामीण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी फाइलों में भले ही सड़कें गड्ढा मुक्त हों, लेकिन जमीनी हकीकत रसूलाबाद विकासखंड के ग्राम हंसपुर में कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। यहां का मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जिससे ग्रामीणों का रोजमर्रा का जीवन नारकीय बन गया है।सबसे चिंताजनक स्थिति प्राथमिक विद्यालय जाने वाले मासूम बच्चों की है। बच्चे रोज़ाना कीचड़ में फिसलते, गिरते-पड़ते स्कूल पहुंच रहे हैं। कई बार तो कपड़े पूरी तरह खराब हो जाते हैं, जिससे अभिभावकों में रोष व्याप्त है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग कहिंजरी, भगवंतपुर, औनाहा और उसरी जैसे कई गांवों को जोड़ता है। दोपहिया और चारपहिया वाहन आए दिन फंस जाते हैं, मरीजों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है।ग्रामीण विमलेश पाल, सर्वेश पाल, दिनेश पाल, जगत पाल, उमेश पाल व राजेश पाल ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं ग्राम प्रधान रेनू यादव ने साफ कहा कि यह सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीन है और उच्चाधिकारियों को बार-बार अवगत कराया गया, लेकिन विभागीय उदासीनता के चलते आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्वच्छ भारत मिशन और विकास के दावों के बीच हंसपुर का यह रास्ता प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। अब ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द सड़क निर्माण नहीं हुआ तो वे प्रदर्शन और आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

कुर्वाखुर्द गांव में आज शनिदेव बाबा की प्राण प्रतिष्ठा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अकबरपुर क्षेत्र के ग्राम कुर्वाखुर्द में स्थित पातालेश्वर मंदिर प्रांगण में श्री शनिदेव महाराज की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्रसाद भण्डारे के साथ भव्य रामलीला (धनुष यज्ञ) का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 04 फरवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक चलेगा।

आयोजकों के अनुसार पातालेश्वर महादेव की प्रेरणा एवं अनुकम्पा से ग्राम कुर्वाखुर्द स्थित पातालेश्वर मंदिर परिसर में श्री शनिदेव महाराज के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत 04 फरवरी 2026 को पूजन आदि, 05 फरवरी 2026 को अन्नप्राशन तथा 06 फरवरी 2026 को भ्रमण एवं पूर्ण प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। इसी अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भण्डारे का भी आयोजन किया जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा एवं भण्डारे के उपलक्ष्य में भव्य रामलीला के अंतर्गत धनुष यज्ञ का मंचन किया जाएगा। रामलीला में भगवान श्री राम, लक्ष्मण, परशुराम, विश्वामित्र, व्यास, जनक सहित अन्य पात्रों की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में तबला वादक, नर्तक एवं कलाकारों द्वारा धार्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

मंच संचालन व रामलीला में राकेश दीक्षित शोभन, अभिषेक त्रिपाठी शिवली, रामजी शुक्ला बिल्हौर, नीरज द्विवेदी, मुकेश भदौरिया, शिवप्रकाश मिश्रा, अम्बरीश शुक्ला, सुशील द्विवेदी, रमन तिवारी, अशोक पाण्डेय, रिंकू कानपुरी, जान्हवी, रोमांशी, टिल्लू द्विवेदी सहित अन्य कलाकार सहभागिता करेंगे।

आयोजन में अनेक श्रद्धालुओं का योगदान रहेगा। कार्यक्रम का निवेदन समस्त सम्मानित ग्रामवासियों, शिवभक्तों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा किया गया है। आयोजन के संयोजक समाजसेवी सुरेन्द्र राजन शुक्ला हैं।

आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार कार्यक्रम में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

सामूहिक विवाह योजना में भ्रष्टाचार

दुल्हनों को नहीं मिली पाजेब और बिछुआ, कई जोड़ों को बिना गद्दों के भेज दिया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सामूहिक विवाह योजना में भ्रष्टाचार मामले में तीन सदस्यीय कमेटी जांच कर रही है। अभी तक सामने आया है कि किसी दुल्हन को पाजेब तो किसी को बिछुआ तक नहीं मिला। किसी को गद्दे नहीं मिले। कमेटी 12 फरवरी तक पूरी रिपोर्ट देगी। मुरादाबाद में सामूहिक विवाह योजना में हुए भ्रष्टाचार पर जांच तेजी से चल रही है। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने इसके लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। अभी जांच अधिकारियों की पूरी रिपोर्ट तो सीडीओ कार्यालय नहीं पहुंची है लेकिन मंगलवार की शाम तक करीब 20 फीसदी जांच रिपोर्ट सौंपी गई है।

इसमें पाया गया है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में किसी दुल्हन को पाजेब तो किसी को बिछुआ तक नहीं मिला। किसी को गद्दे नहीं मिले तो किसी को बिना उपहार के ही घर जाना पड़ा। उपचार का लालच देकर किसी दुल्हन को फिर से विवाह वेदी पर बैठा दिया तो किसी को बिना शादी हुए ही साड़ी का जोड़ा पहना दिया गया।

कई अधिकारियों पर गिरेगी गाज

संपूर्ण जांच में कई अन्य बड़ी गतिविधियां सामने आने की संभावना है, जिससे कई अधिकारियों पर गाज गिरने की आशंका है। कुंदरकी के विधायक रामवीर सिंह द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा भ्रष्टाचार करने व अनियमितताएं बरतने के आरोप लगाए जाने के बाद मुख्य विकास अधिकारी के आदेश पर जांच की जा रही है।जांच के लिए जिला विकास अधिकारी जीबी पाठक ने 30 टीमें बनाई थी, जिन्हें मंगलवार की शाम तक रिपोर्ट देनी थी लेकिन संख्या अधिक होने व गांव दूर दूर होने के कारण तय समय में सिर्फ 20 फीसदी ही अधिकारी जांच रिपोर्ट सौंप पाए हैं। इन 20 फीसदी रिपोर्ट में ही समारोह में किस कदर अनियमितता बरती गई है इसकी तस्वीर दिखने लगी है।

रिपोर्ट में जोड़ों का पात्र बता रहे

किसी भी अधिकारी की रिपोर्ट ऐसी नहीं है, जिसमें आधा अधूरा सामान देने की बात न लिखी गई हो। हालांकि यह जांच अधिकारी अधिकतर रिपोर्ट में जोड़ों का पात्र बता रहे हैं, जबकि कई जोड़ों ऐसे हैं, जिनकी शादी पहले ही हो चुकी है, कुछ ही बाद में होगी। नियम तो यह है कि यह योजना आर्थिक रूप से उन गरीब लोगों के लिए हैं, जो अपनी बेटियों के हाथ पीले करने में धनाभाव के कारण परेशानी महसूस कर रहे हैं।लक्ष्य पूर्ति के लिए किसी की बेटी की शादी हो जाने के बाद भी उसे लाभ देना, इस योजना के नियमों और शर्तो के विपरीत है। कुल मिलाकर यदि सत्यापन सही तरीके से किया जाए तो निश्चित तौर पर व्यवस्था या सूचीबद्ध करने वाले अधिकारी कर्मचारी तो कार्रवाई के दज में आएंगे ही, उन अधिकारियों की गर्दन भी फंस सकती है, जिनके पास इस योजना का पर्यवेक्षण करने की जिम्मेदारी थी।जिला विकास अधिकारी जीपी पाठक ने बताया कि जांच अभी जारी है, कुछ अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट सौंप दी है, इनमें सामान वितरण में अनियमितताएं सामने आई हैं, कल तक अन्य अधिकारी भी रिपोर्ट दे देंगे, इसके बाद पूरी रिपोर्ट तैयार तय किया जाएगा कि क्या कमी मिलीं।

दो एडीओ पर लटकी निलंबन की तलवार

मूंढापांडे व कुंदरकी ब्लाक में अधिक गड़बड़ियां बताई जा रही हैं, जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन ने दो दिन पहले ही यहां सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) प्रशांत सिंह व ललित कुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध किया गया था।राज्यमंत्री ने कहा कि सामने आई शिकायतों व अनियमितताओं की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई, जिसमें समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक पीके त्रिपाठी, उपनिदेशक अमरजीत सिंह और जिला समाज कल्याण अधिकारी अनामिका सिंह को शामिल किया गया है।

ये उपहार देने थे

पांच ब्लाउज सहित साड़ी या लहंगा, एक एक पैंट शर्ट का कपड़ा, फेंटा (गमछा), एक जोड़ी चांदी की पायल, चांदी का बिछुआ, डिनर सेट (8 किग्रा), यूनाइटेड कंपनी का कूकर, ट्राली बैग, दीवार घड़ी, कढ़ाई, कूल केज, आयरन प्रेस और सीलिंग फैन,, डबल बैड चादर, दो कंबल, दो गद्दा या मैट्रेस, दो तकिया, एक सिन्होरा, दो दर्जन कांच की लाल चूड़ी, लाख पदार्थ से बने चार कंगन व 16 आइटम सहित एक वेनिटी किट, जिसमें फेस क्रीम, लिपिस्टिक , शीशा, काजल, फाउंडेशन, आलता, हेयर क्लिप, केश तेल, कुमकुम, रवड़बैंड, सिंदूर, नेल पॉलिस, मेहंदी, बिंदी, सेफ्टी पिन व कंघा हो, इसके अलावा गैस चूल्हा डबल वर्नर व कैसरोल (1000 एमएल, सेलो)। इस पूरे सामान की कीमत करीब 25 हजार रुपये।

सांड ने वृद्ध को कुचल डाला इलाज के दौरान मौत

» पहले भी हो चुके हमले, प्रशासन रहा बेखबर

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। मौदहा कस्बे में बेसहारा मवेशियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर लापरवाही की कीमत एक बुजुर्ग को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। सब्जी मंडी में खरीदारी करने गए 78 वर्षीय वृद्ध पर आवारा सांड ने पीछे से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।मृतक गणेश (78), थाना चौराहा के पास के निवासी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सांड ने अचानक पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे वृद्ध सड़क पर गिर पड़े और बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उन्हें कस्बे के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

चौंकाने वाली बात यह है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी सब्जी मंडी क्षेत्र में मराठीपुरा निवासी राजकुमार तिवारी पर सांड ने हमला किया था, जो गंभीर रूप से घायल हो गए थे और जिनका इलाज कानपुर में चल रहा है। इसके बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और संबंधित उपनिरीक्षक को मौके पर भेजा जा रहा है। परिजनों की इच्छा होने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। साथ ही नगर पालिका को पत्र लिखकर आवारा पशुओं को पकड़ने के निर्देश दिए जाएंगे, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या की ओर बढ़ी एमपी से चली विशाल त्रिशूल यात्रा

सनातन चेतना के विस्तार का संकल्प

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सनातन संस्कृति के संरक्षण और हिंदू राष्ट्र की भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से निकली विशाल त्रिशूल यात्रा अब अयोध्या की ओर अग्रसर है। यह यात्रा जबलपुर, काशी, प्रयागराज सहित दस प्रमुख पड़ावों से होकर गुजरते हुए 10 फरवरी को अयोध्या जनपद के चौरे बाजार में प्रवेश करेगी।

यात्रा के संरक्षक दिग्विजय सिंह एवं अमित योगी ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश में सनातन परंपराओं को और अधिक मजबूत करना तथा सांस्कृतिक चेतना का विस्तार करना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा राष्ट्र और धर्म के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यात्रा के साथ स्टील धातु से निर्मित लगभग 60 फुट लंबा विशाल त्रिशूल चल रहा है, जिसे देश का सबसे बड़ा त्रिशूल बताया जा रहा है। यह यात्रा 24 घंटे निरंतर संचालित हो रही है, जिसमें लगभग 50 लोगों का दल सहभागिता कर रहा है। यात्रा के अंतर्गत लाए गए नौ विशाल त्रिशूलों की स्थापना बीकापुर तहसील के रमपुरवा स्थित लगभग 500 वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर में की जाएगी।

विपिन ने नौ मिनट में जीती 6 हजार की इनामी कुश्ती

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। छानी बुजुर्ग दंगल के दूसरे दिन 16 इनामी कुश्तियां हुईं। दिन में हल्की बारिश के बाद दोपहर करीब दो बजे अखाड़ा शुरू हुआ। दिन की सबसे चर्चित कुश्ती उन्नाव के विपिन यादव और जालौन के जीतेन्द्र के बीच हुई। छह हजार रुपये की इस इनामी कुश्ती में दोनों पहलवानों ने जोरदार दांव-पेंच लगाए। करीब नौ मिनट चले मुकाबले में विपिन ने जीतेन्द्र को पटखनी देकर जीत दर्ज की।

अन्य मुकाबलों में उत्तराखंड के विक्रम ने बरेली के सोनू को हराया, जबकि बांदा के विकास ने लखनऊ के शिवविलास को छह मिनट में छूट दिया। कल्लू (इंगोहटा) और रामबाबू (कैथी) की कुश्ती बराबरी पर छूटी। कमेटी ने सभी पहलवानों को तयशुदा इनाम प्रदान किया। दंगल के आयोजन में अमर सिंह, अरुण कुमार वर्मा, भारत सिंह यादव सहित कमेटी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

बिना फिटनेस, बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र फिर भी सड़क पर फर्राटा!

नगर निगम के 118 अवैध वाहन बने लोगों की जान के दुश्मन, 70 वाहनों का बीमा ही 'नॉट एप्लीकेबल'!

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में नगर निगम की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। आरटीआई के जरिए हुए खुलासे ने निगम के भीतर चल रहे लापरवाह और संदिग्ध सिस्टम की परतें खोल दी हैं। कूड़ा संग्रहण से लेकर अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में लगे नगर निगम के दर्जनों वाहन बिना वैध दस्तावेजों के वर्षों से सड़कों पर दौड़ रहे हैं।आरटीआई के तहत मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम के 206 वाहनों में से 118 वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र कई वर्षों से नहीं बना है।

इसके बावजूद ये वाहन खुलेआम सड़कों पर चल रहे हैं और प्रशासन आंख मूंदे बैठा है। खुलासे में यह भी सामने आया है कि 127 वाहनों का प्रदूषण प्रमाणपत्र एक्सपायर हो चुका है। कई वाहनों का प्रमाणपत्र वर्ष 2022-23 से ही नवीनीकरण नहीं कराया गया। इतना ही नहीं, 52 वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र का कोई रिकॉर्ड ही विभाग के पास मौजूद नहीं है। यानी यह तक स्पष्ट नहीं कि ये वाहन कभी जांच के दायरे में आए भी हैं या नहीं। यह स्थिति न सिर्फ कानून का खुला उल्लंघन है, बल्कि शहर के पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है।आरटीआई में सामने आया एक और चौंकाने वाला तथ्य यह है कि 70 वाहनों के इंश्योरेंस के कॉलम में 'नॉट एप्लीकेबल' दर्ज है। यानी या तो इन वाहनों का बीमा है ही नहीं, या जानबूझकर जानकारी छिपाई जा रही है। बिना बीमा, बिना फिटनेस और बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के चल रहे ये वाहन किसी भी दुर्घटना की स्थिति में आम नागरिकों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। आरटीआई कार्यकर्ता अभिषेक ने बताया कि उन्होंने सितंबर 2025 में नगर निगम से वाहनों से संबंधित कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। शुरुआत में विभाग ने सिर्फ वाहनों की संख्या बताकर पल्ला झाड़ लिया। इसके बाद राज्य सूचना आयोग में अपील की गई, तब 9 जनवरी 2026 को जो जानकारी दी गई, वह भी अधूरी और अस्पष्ट थी। सबसे अहम बात यह रही कि अवैध संचालन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का नाम नहीं बताया गया। वाहन चालकों के लाइसेंस की जानकारी नहीं दी गई। जवाबदेही तय करने से बचा गया यह सब साफ संकेत देता है कि मामले को दबाने और दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

कानून के ऊपर निगम? प्रशासन मौन क्यों?

मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना फिटनेस, बिना बीमा और बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के वाहन चलाना गंभीर अपराध है। आम नागरिक ऐसा करे तो तुरंत चालान, जब्ती और मुकदमा होता है। लेकिन जब खुद नगर निगम कानून तोड़े, तो कार्रवाई क्यों नहीं? सवाल यह भी है कि परिवहन विभाग ने अब तक इन वाहनों पर कार्रवाई क्यों नहीं की? नगर निगम के उच्च अधिकारी इस अवैध संचालन से अनजान कैसे रहे? क्या इसके पीछे भ्रष्टाचार और कमीशन का खेल चल रहा है?

भगवान हनुमान सेवा,निष्ठा और अडिग विश्वस के आदर्श

अयोध्या। रीडगंज प्राचीन शिव हनुमान मंदिर के स्थापना दिवस की प्रथम वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई । विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता अधिवक्ता आलोक कुमार सिंह ने कहा कि श्री शिव हनुमान मंदिर की स्थापना को एक वर्ष पूर्ण होना केवल समय की गणना नहीं है, बल्कि यह उस आस्था, विश्वास और सामूहिक प्रयास का उत्सव है जिसने इस दिव्य धाम को आकार दिया।मंदिर समिति के अध्यक्ष किशोर कुमार ने बताया कि एक वर्ष पूर्व जब इस मंदिर की स्थापना हुई थी, तब यह केवल एक धार्मिक संरचना नहीं थी, बल्कि एक ऐसे आध्यात्मिक केंद्र की नींव थी जहाँ मनुष्य अपने जीवन के कष्ट, भय और संशयों से मुक्ति पाने की आशा लेकर आता है। बीते एक वर्ष में इस मंदिर ने असंख्य श्रद्धालुओं को शांति, शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की है।मंदिर समिति के उपाध्यक्ष गोपाल जी ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि मंदिर स्थापना के प्रथम वर्ष में समाज के हर वर्ग ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह मंदिर अब केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बन चुका है।

रिटायर्ड रेलकर्मी की करोड़ों की जमीन पर 'भूमाफिया' का कब्जा!

» फर्जी आदमी, फर्जी खतौनी और फर्जी वरासत का खेल

» गप्पू गैंग ने मौत की धमकी देकर बुजुर्ग रेलकर्मी को किया बेघर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में जमीन के नाम पर चल रहा माफिया तंत्र एक बार फिर बेनकाब हुआ है। थाना कैंट क्षेत्र के बढई के पुरवा अबू सराय में करोड़ों रुपये की भूमि हड़पने का जो मामला सामने आया है, वह किसी सामान्य विवाद नहीं, बल्कि सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र, दस्तावेजी जालसाजी और संगठित भू-माफिया नेटवर्क की खौफनाक तस्वीर पेश करता है।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

पीड़ित रिटायर्ड रेलकर्मी अंगनू ने इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड सुजीत श्रीवास्तव उर्फ 'गप्पू' को बताया है। आरोप है कि सुजीत ने अपनी पत्नी रचना श्रीवास्तव और अपने गैंग के साथ मिलकर एक ऐसी साजिश रची, जिसमें असली मालिक को उसकी ही जमीन से बेदखल कर दिया गया। पीड़ित के अनुसार सबसे पहले उसके नाम का एक नकली व्यक्ति खड़ा किया गया। फिर उसी फर्जी व्यक्ति के आधार पर राजस्व अभिलेखों में खतौनी में गलत प्रविष्टियां कराई गईं। इसके बाद कूटरचित दस्तावेजों के सहारे वरासत दर्ज कराई गई और फर्जी विक्रय विलेख तैयार कर जमीन को अलग-अलग लोगों को बेच दिया गया।

पूरा खेल इस तरह रचा गया कि जब तक असली मालिक को भनक लगे, तब तक जमीन कई हाथों में घूम चुकी हो। जानकारों के अनुसार यह तरीका संगठित भू-माफिया नेटवर्क की पहचान है, जिसमें रिकॉर्ड से लेकर रजिस्ट्री तक सब कुछ 'मैनेज' किया जाता है। जब पीड़ित अंगनू को इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई और वह अपनी जमीन देखने मौके पर पहुंचा, तो कथित गैंग के लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इस धमकी के बाद पीड़ित और उसका परिवार दहशत में आ गया। पीड़ित का दावा है कि यह पूरा मामला बिना अंदरूनी मिलीभगत के संभव ही नहीं था। फर्जी खतौनी, वरासत और रजिस्ट्री तभी हो सकती है, जब कुछ राजस्व कर्मी आंख मूंद लें या जानबूझकर साथ दें। यानी सवाल सिर्फ भू-माफिया का नहीं, बल्कि सिस्टम के भीतर बैठे 'सहयोगियों' का भी है, जो कागजों पर अपराध को वैध बना देते हैं।14 नामजद, एक अज्ञात पर केस दर्जपीड़ित की तहरीर पर कोतवाली नगर में रचना श्रीवास्तव सहित 14 नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों की जांच, गवाहों के बयान और रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुजीत उर्फ गप्पू और उसके नेटवर्क को लेकर पहले भी कई तरह की चर्चाएं रही हैं। अब यह मामला सामने आने के बाद सवाल उठने लगे हैं– आखिर कितनी जमीनें इस तरह हड़पी जा चुकी हैं? किन-किन अफसरों की भूमिका संदिग्ध है? क्या जांच निष्पक्ष होगी या फाइलों में दब जाएगी?

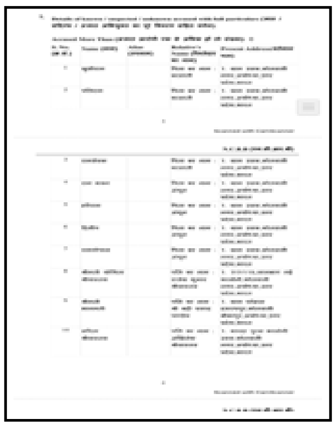

रंगकर्मी सौमित्र मिश्र की माता का निधन, श्रद्धांजलि

अयोध्या। सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रतिष्ठित रंगकर्मी सौमित्र मिश्र की माता श्रीमती ललिता देवी का बीते रविवार को लगभग 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सरयू तट स्थित श्मशान घाट पर विधि–विधान से संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। निधन पर प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. हरि प्रसाद दुबे, वरिष्ठ पत्रकार रमेश त्रिपाठी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पलटी डबल डेकर बस

तीन माह के मासूम की मौत, एक दर्जन यात्री घायल

दिल्ली से गोरखपुर जा रही बस तड़के हादसे का शिकार, चालक को झपकी आने की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फिरोजाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही ने जान ले ली। नसीरपुर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में तीन माह के मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 से 12 यात्री घायल हो गए।

➩ 45 यात्री थे सवार, घायलों को अस्पताल भेजा गया, कई परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 54-55 के बीच सुबह करीब दो बजे हुआ। बस (संख्या क्क्क28-क्क4335) में लगभग 45 यात्री सवार थे। प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और सड़क पर पलट गई।

दुर्घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही यूपी-112, स्थानीय पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची। घायलों को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिकोहाबाद भेजा गया, जहां उनका इलाज कराया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर कुछ समय बाद यातायात बहाल कराया। नसीरपुर इंस्पेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि अधिकांश घायलों को सामान्य चोटें आई हैं और सभी की हालत खतरे से बाहर है। हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है।

इस दुर्घटना में जान गंवाने वाला तीन माह का मासूम शुभ अपने माता-पिता के साथ यात्रा कर रहा था। बताया गया कि वह परिवार का इकलौता बेटा था। बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए शव अपने साथ ले जाने की बात कही।

एक नज़र में

- **स्थानः** नसीरपुर थाना क्षेत्र, फिरोजाबाद
- **समयः** सुबह करीब 2 बजे
- **बसः** डबल डेकर, दिल्ली से गोरखपुर
- **यात्रीः** लगभग 45
- **कारणः** चालक को झपकी आने की आशंका
- **मृतकः** तीन माह का मासूम

घायल यात्रियों की सूची

कृष्णा यादव (28), बबीता यादव (27), अनीता यादव (45, बस्ती), अरुण कुमार (22, गोरखपुर), संजय मौर्या (48), कंचन गुप्ता (30, राजस्थान), जय प्रकाश (53, दिल्ली), सुरुति दुबे (17), अमरनाथ (45, दिल्ली) और रामजग (60, दिल्ली)।

माफी मांगनी पड़ेगी नहीं तो अयोध्या में नो एंट्री

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की कथित टिप्पणी पर संत समाज में नाराजगी तेज हो गई है। अयोध्या स्थित तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने बयान को निंदनीय और अमर्यादित बताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक स्वामी अपने शब्द वापस नहीं लेते, तब तक उन्हें अयोध्या में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

परमहंस आचार्य ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना मुगल शासकों से करना सनातन धर्म के अनुयायियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ केवल मुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि गोरक्ष पीठ के पीठाधीश्वर भी हैं और उनके प्रति इस तरह की भाषा का प्रयोग अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या से यह स्पष्ट संदेश है कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादा बनाए रखना सभी के लिए आवश्यक है। किसी को असहमति हो सकती है, लेकिन अपमानजनक शब्दों का प्रयोग स्वीकार्य नहीं किया जा सकता।

➩ सीएम योगी पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की टिप्पणी पर परमहंस आचार्य ने दिया अल्टीमेटम

गोरक्षा आंदोलन पर उठाए सवाल

परमहंस आचार्य ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के गोरक्षा आंदोलन को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केवल गाय को राष्ट्र माता घोषित करने से संपूर्ण गोवंश की रक्षा संभव नहीं है। यदि बैल, बछड़ा और नंदी की सुरक्षा नहीं होगी, तो गौहत्या पर पूर्ण रोक नहीं मानी जा सकती। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि गोवंश को राष्ट्रीय और राज्य धरोहर घोषित किया जाए, जिससे व्यापक स्तर पर संरक्षण सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि यह आंदोलन राजनीतिक प्रभाव में संचालित हो सकता है, जिसका उद्देश्य सरकार को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां सनातन धर्म और समाज के हित में नहीं हैं।

सीएम के स्नेह से बदली 'खुशी' की दुनिया, अब सुन भी रही-बोल भी रही

प्रमुख संवाददाता 7 स्वराज इंडिया

कानपुर। अब तक इशारों में अपनी बात कहने वाली 19 वर्षीय खुशी की जिंदगी में सचमुच खुशियों की आवाज लौट आई है। कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी के बाद वह न सिर्फ सुन पा रही है, बल्कि टूटे-फूटे शब्दों में बोलने की कोशिश भी कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्नेह, संवेदनशील पहल और डॉक्टरों की मेहनत ने उसकी खामोश दुनिया में रंग भर दिए हैं।

ग्वालटोली अहिराना के मरकरी चौराहे की रहने वाली खुशी जन्मजात मूकबधिर है। 22 नवंबर 2025 को वह बिना किसी को बताए मुख्यमंत्री से मिलने लखनऊ पहुंच गई थी। दो दिन बाद परिवार को बुलाकर मुलाकात कराई गई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 26 जनवरी को अशोक नगर स्थित मेहरोत्रा ईएनटी अस्पताल में उसका कॉक्लियर इंप्लांट ऑपरेशन किया गया।

अब शब्दों से कह रही 'धन्यवाद': ऑपरेशन के बाद खुशी की सुनने और बोलने की क्षमता में तेजी से सुधार हो रहा है। वह अब डॉक्टरों और परिजनों की बातें सुन रही है और शब्दों को दोहराने का प्रयास कर रही है। ऑपरेशन करने वाले डॉ. रोहित मेहरोत्रा के अनुसार, जन्मजात मूकबधिर बच्चों में कॉक्लियर इंप्लांट के बाद स्पीच थेरेपी अहम होती है। खुशी को शब्दों की समझ पहले से है, इसलिए उसकी प्रगति अपेक्षाकृत तेज है। एक से दो माह में उसके सामान्य रूप से बोलने की संभावना है।

➩ जन्मजात मूकबधिर 19 वर्षीय युवती का कॉक्लियर इंप्लांट, एक-दो माह में सामान्य बोलने की उम्मीद

➩ मुख्यमंत्री योगी से फिर मिलने और अपनी बनाई पेंटिंग भेंट करने की चाह

पेंटिंग में उतारा एहसानः खुशी ने ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर और उसे मुख्यमंत्री से मिलाने वाले पुलिस अधिकारी विक्रम की पेंटिंग बनाई है। उसकी सबसे बड़ी इच्छा है कि वह दोबारा मुख्यमंत्री योगी से मिले और वह तस्वीर भेंट करे, जिसमें मुख्यमंत्री उसके सिर पर स्नेह से हाथ रखे हुए हैं।

पिता की आंखों में राहतः खुशी के पिता कल्लू, जो पेशे से सिक्योरिटी गार्ड हैं, बताते हैं कि बेटी अक्सर मुख्यमंत्री योगी की तस्वीरें बनाती थी और उनसे मिलने की जिद करती थी।

22 नवंबर को जब वह घर से पेंटिंग लेकर निकली, तो परिवार घबरा गया। गुमशुदगी दर्ज कराई गई, लेकिन कुछ घंटों बाद हजरतगंज थाने से सूचना मिली कि वह लखनऊ में सुरक्षित है। आज वही खुशी, जो कभी खामोशी में जीती थी, अब आवाज की दुनिया में कदम रख चुकी है और उसकी आंखों में एक ही सपना है, मुख्यमंत्री से फिर मिलकर आशीर्वाद लेना।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853,
❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com